2024
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – क

1. (क) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद' की रचना है – **1**

(i) 'राजा-भोज का सपना' (ii) 'रानी केतकी की कहानी' (iii) 'प्रेमसागर' (iv) 'प्रेमवती'

(ख) भारतेन्दु-युग के लेखक हैं – **1**

(i) भगवत शरण उपाध्याय (ii) प्रताप नारायण मिश्र (iii) रघुवीर सहाय (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है ? **1**

(i) कहानी (ii) आत्मकथा (iii) डायरी (iv) जीवनी-साहित्य

(घ) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं – **1**

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) राहुल सांकृत्यायन (iii) शिवदान सिंह चौहान (iv) जैनेंद्र

(ङ) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है – **1**

(i) 'तीतली' (ii) 'कंकाल' (iii) 'परीक्षा गुरु' (iv) 'गबन'

2. (क) "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।" यह काव्य पंक्ति है – **1**

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की (ii) मैथिलीशरण गुप्त की (iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की (iv) नरेश मेहता की

(ख) 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' है – **1**

(i) भारतेन्दु-युग (ii) द्विवेदी-युग (iii) छायावाद (iv) प्रगतिवाद

(ग) 'वैदेही वनवास' रचना है – **1**

(i) रामनरेश त्रिपाठी की (ii) श्रीधर पाठक की (iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी की

(घ) भारतेन्दु ने स्त्री शिक्षा से संबंधित किस पत्रिका का प्रकाशन किया था ? **1**

(i) 'हरिश्चन्द्र-चंद्रिका' (ii) 'हंस' (iii) 'कविचन सुधा' (iv) 'बाला बोधिनी'

(ङ) 'गंगालहर' के रचनाकार हैं – **1**

(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' (ii) सूरदास (iii) तुलसीदास (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 + 2 + 2 + 2 = 10**

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुस्कानमयी है। यह किस दीपक की जोत है ? जागरूक जीवन की ! लक्षयदर्शी जीवन की ! सेवा-निरत जीवन की ! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की ! भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) कौन-सी 'जोत' विश्व की सर्वोत्तम जोत है ?

(घ) लेखक के लिए कौन-सा अनुभव चमत्कारी है ?

(ङ) 'जागरूक' और 'लक्षयदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए।

अथवा

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हो, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मेलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। माता है और जन

सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है — (माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः !) — भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। — जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है। इसी भावना से राष्ट्रनिर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) राष्ट्र का दूसरा अंग क्या है ?

(घ) राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?

(ङ) राष्ट्रीयता की कुंजी क्या है ?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5 × 2 = 10**

पूरी होवें न यदि तुझसे अन्य बातें हमारी।
तो तू मेरी विनय इतनी मान ले और चली जा।
छू के प्यारे कमल-पद को प्यार के साथ आ जा।
जी जाऊँगी हृदय-तल में मैं तुझी को लगाके।

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) 'कमल-पद' में कौन-सा अलंकार है ?

(घ) नायिका किससे और क्या विनती कर रही है ?

(ङ) नायिका पवन को किसके कमल-पद को छू कर आने के लिए कह रही है ?

अथवा

कहा मनु ने, नभ धरणी बीच
बना जीवन रहस्य, निरुपाय;
एक उल्का-सा जलता प्रांत
शून्यता में फिरता हूँ असहाय।
कौन हों तुम वसंत के दूत
बिरस पतझड़ में अति सुकुमार !
घन टिमिर में चपला की रेख,
तपन में शीतल मंद बयार।

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) मनु किससे अपने जीवन के विषय में बता रहे हैं ?

(घ) मनु अपने आपको क्यों असहाय महसूस करते हैं ?

(ङ) 'तिमिर' और 'चपला' शब्दों के अर्थ लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) जैनेंद्र कुमार (ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iii) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' (iii) मैथिलीशरण गुप्त

6. कहानी-तत्त्वों के आधार पर 'लाटी' अथवा 'ध्रुव यात्रा' कहानी की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

अथवा

'खून का रिश्ता' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रमुख नारी-पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

जन्मतः दशमे दिने 'शिवं भजेदयम्' इति बुद्ध्या पिता स्वसुतस्य मूलशङ्कर इति नाम अकरोत्, अष्टमे वर्षे चास्योपनयनमकरोत् । त्रयोदशवर्ष प्राप्तवतेस्मै मूलशङ्कराय पिता शिवरात्रिव्रतमचारितुम् अकथयत् ।पितुराज्ञासुसारं मूलशङ्करः सर्वमपि व्रतविधानमकरोत् ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् ।चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु' राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते ।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में संदर्भ-सहित अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

उदेति सविता ताम्रस्ताम् एवास्तमेति च ।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता ।।

अथवा

मत्ता गजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः ।
रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रकीडितो वारिधरैः सुरेन्द्रः ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) वर्षा काले के मत्ताः भवन्ति ?

(ख) दुर्योधनः कः आसीत् ?

(ग) मालवीयः कुत्र अध्यापनम् आरब्धवान् ?

(घ) का भाषा सर्वासाम् आर्यभाषाणां जननी ?

10. (क) 'शांत' अथवा 'वात्सल्य' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए। **1 + 1 = 2**

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **1 + 1 = 2**

(ग) 'सवैया' अथवा 'बरवै' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **1 + 1 = 2**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **2 + 7 = 9**

(क) मेरा प्रिय खेल

(ख) शिक्षा का महत्त्व

(ग) भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(घ) सादा जीवन उच्च विचार

12. (क) (i) 'हरये' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(अ) हरे + ए (ब) हर + ए (स) हरे + ऐ (द) हर + ऐ

(ii) 'वनेऽत्र' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(अ) वन + अत्र (ब) वने + अत्र (स) वने + एत्र (द) वन + आत्र

(iii) 'रामश्चलति' में सन्धि है : **1**

(अ) स्वर (ब) व्यंजन (स) विसर्ग (द) यण

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : **2**

(i) आजीवनम् (ii) श्वेताम्बरम् (iii) महाशयः

13. अपने क्षेत्र के पार्क को विकसित कराने के लिए नगर-निगम के मुख्य उद्यान-निरीक्षक को एक पत्र लिखिए। **2 + 6 = 8**

अथवा

विद्यालय की वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने छोटे भाई को बधाई देते हुए एक पत्र लिखिए।

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए : **1**

(अ) लिखितः (ब) कृत्वा (स) द्रष्टव्यः

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में प्रत्यय लिखिए : **1**

(अ) श्रवणीयः (ब) बन्धुत्वम् (स) बलवान्

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा संबंधित नियम का उल्लेख कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) गृहं प्रति गच्छ । (ii) रामेण सह सीता वनम् अगच्छत् । (iii) अग्नये स्वाहा ।